UTKARSH CLASSES

For Session 2022-23

RBSE

# भूगोल

CLASS-XII

# मॉडल पेपर्स

## सॉल्यूशन सहित

RBSE द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम व ब्लूप्रिंट पर आधारित नवीनतम मॉडल पेपर

# भूगोल (14)

# MODEL PAPER 4 (RBSE)

## कक्षा-XII

समय : 3 घंटे 15 मिनट | पूर्णांक : 56

**परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश:**

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्नों का अंक भार निम्नानुसार है।

| खण्ड | प्रश्न की संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| खण्ड- अ (A) | 1 (i to ix)<br>2 (i to iv)<br>3 (i to iv) | 17 | 1 | 17 |
| खण्ड- ब (B) | 4 से 15 | 12 | 1½ | 18 |
| खण्ड- स (C) | 16 से 18 | 3 | 3 | 9 |
| खण्ड- द (D) | 19 से 20 | 2 | 4 | 8 |
| खण्ड- य (E) | 21 से 22 | 2 | 2 | 4 |

7. प्रश्न क्रमांक 21 से 22 मानचित्र कार्य से संबंधित हैं और प्रत्येक 2 अंक का है।
8. भारत एवं विश्व के उपलब्ध कराये गये रेखा मानचित्रों को उत्तर पुस्तिका के साथ नत्थी करें।

### खण्ड-अ

**1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न-**

**(i) निम्न में से कौनसा भौतिक पर्यावरण का तत्व है? [1]**
(अ) नगर (ब) उद्योग
(स) मृदा (द) खेत

**(ii) जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत का उपयोग किया जाता है-[1]**
(अ) जनसंख्या नियंत्रण के लिए
(ब) घनत्व के संतुलन के लिए
(स) समान जन-वितरण के लिए
(द) भविष्य की जनसंख्या के पूर्वानुमान के लिए

**(iii) विकास का महत्त्वपूर्ण पक्ष नहीं है- [1]**
(अ) जीवन की गुणवत्ता (ब) अर्थव्यवस्था में वृद्धि
(स) अवसरों की उपलब्धता (द) स्वतंत्रता का उपभोग

**(iv) सूचना अनुसंधान एवं विकास आधारित क्रियाकलाप होते हैं- [1]**
(अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक
(स) तृतीयक (द) चतुर्थक

**(v) प्रथम सार्वजनिक रेलमार्ग 1825 में प्रारम्भ हुआ? [1]**
(अ) जापान में (ब) फ्रांस में
(स) इंग्लैण्ड में (द) अमेरिका में

**(vi) गरीबी का उच्चतम अनुपात भारत के किस राज्य में है? [1]**
(अ) छतीसगढ़ (ब) मणिपुर
(स) झारखण्ड (द) बिहार

**(vii) धरातलीय व भौम जल का सर्वाधिक उपयोग होता है- [1]**
(अ) मछली पालन में (ब) सिंचाई में
(स) घरेलू कार्यों में (द) उद्योगों में

**(viii) विश्वेश्वरैया (VISW) संयंत्र अवस्थित है- [1]**
(अ) झारखण्ड में (ब) ओडिशा में
(स) छतीसगढ़ में (द) कर्नाटक में

**(ix) इंदिरा गाँधी नहर का नकारात्मक प्रभाव है? [1]**
(अ) मरूस्थलीकरण में वृद्धि (ब) नगदी फसलों का उत्पादन
(स) वनीकरण व चारागाह में कमी (द) जल भराव व मृदा लवणता

**2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

**(i) ..... ध्वनि प्रदूषण को मापने की इकाई है। [1]**

**(ii) विश्व की जनसंख्या का औसत लिंगानुपात प्रति 100 स्त्रियों पर ..... पुरुष है। [1]**

**(iii) सहकारी कृषि में सबसे सफल ..... देश है। [1]**

**(iv) सन् 1800 में ..... प्रथम नगर जो मिलियन सिटी की श्रेणी में आया। [1]**



Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-
(i) मानव भूगोल की व्यवहारवादी विचारधारा से आप क्या समझते है? [1]
(ii) खनन के दो प्रकार (विधियाँ) बताइए? [1]
(iii) भारत की किन्ही दो सर्वाधिक प्रदूषित नदियों के नाम लिखिए। [1]
(iv) नगरीय अपशिष्ट के सदुपयोग हेतु एक सुझाव दीजिए। [1]

## खण्ड - ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

4. पारादीप व कोलकाता पत्तनों के पृष्ठ प्रदेश बताइए। [1½]
5. नियोजन से क्या आशय है? इसके दो उपगमन बताइए। [1½]
6. कोई दो परम्परागत (समाप्य) ऊर्जा संसाधनों के बारे में लिखिए। [1½]
7. औद्योगिक एवं परिवहन नगरों को उदाहरण सहित समझाइए। [1½]
8. प्रवास के कारण स्त्रियों के जीवन पर पड़ने वाले दो प्रभाव लिखिए। [1½]
9. 1911 से 1921 के दशक में जनसंख्या के ऋणात्मक वृद्धि के तीन कारण लिखिए। [1½]
10. जनसंख्या वृद्धि के कोई तीन प्रभाव लिखिए। [1½]
11. निम्न स्तर वाले देशों में मानव विकास को बढ़ाने के तीन सुझाव दीजिए। [1½]
12. यदि आपको लम्बी दूरी कम समय में तय करनी हो तो आप किस परिवहन साधन का चयन करेंगे, और क्यों? [1½]
13. विशिष्टीकृत कार्यकलापों के आधार पर पत्तनों के दो प्रकार बताइए। [1½]
14. 'व्यापार संतुलन' से क्या तात्पर्य है? [1½]
15. नगरीय बस्तियों की कोई दो समस्याओं के बारे में लिखिए। [1½]

## खण्ड-स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-

16. भारत की प्रमुख तेल एवं गैस पाइप लाइनों का वर्णन कीजिए। [3]
17. औद्योगिक नीति-1991 के तहत लागू की गई उदारीकरण, निजीकरण व वैश्वीकरण की नीति का विश्लेषण कीजिए। [3]
18. 'व्यापार' से क्या तात्पर्य है? ग्रामीण एवं नगरीय व्यापारिक केन्द्रों में अन्तर स्पष्ट कीजिए। [3]

## खण्ड - द

निबन्धात्मक प्रश्न–

19. आधुनिक वृहद् उद्योगों की निम्नलिखित विशेषताओं की व्याख्या कीजिए- [1x4=4]
(i) कौशल का विशिष्टीकरण
(ii) यंत्रीकरण
(iii) संगठनात्मक ढांचा एवं स्तरीकरण
(iv) अनियमित भौगोलिक वितरण

अथवा

उत्पाद एवं स्वामित्व के आधार पर उद्योगों के वर्गीकरण की विस्तृत व्याख्या कीजिए। [4]

20. निजी संसाधन, साझा सम्पति संसाधन से किस प्रकार भिन्न है? साझा सम्पति संसाधन को विस्तार से समझाइए। [4]

अथवा

भारत में चावल एवं गेहूँ कृषि की तुलना निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर कीजिए:- [1x4=4]
(i) अनुकूल जलवायु
(ii) विश्व के कुल उत्पादन में हिस्सेदारी एवं स्थान
(iii) कुल कृषि भूमि का भाग एवं प्रति हैक्टेयर उत्पादकता
(iv) प्रमुख उत्पादक राज्य

## खण्ड - य

21. दिए गए भारत के मानचित्र में निम्न कोयला खानों को दर्शाइए- [½x4=2]
(अ) झरिया
(ब) तलचर
(स) सिंगरेनी
(द) नवेली

22. दिए गए विश्व के मानचित्र में निम्न विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि क्षेत्रों को दर्शाइए- [½x4=2]
(अ) उत्तरी अमेरिका के प्रेयरीज मैदान
(ब) अर्जेंटाइना के पंपाज मैदान
(स) ऑस्ट्रेलिया के डाउंस मैदान
(द) दक्षिणी अफ्रीका के वेल्डस मैदान



Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

## उत्तरमाला – 04

### खण्ड - अ

**1.**

**(i)** **[स]**
मृदा भौतिक पर्यावरण का तत्व है, जबकि नगर, उद्योग व खेत इत्यादि मानव द्वारा निर्मित तत्व हैं।

**(ii)** **[द]**
जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त का उपयोग भविष्य की जनसंख्या के पूर्वानुमान के लिए किया जाता है। इसके अतिरिक्त इसका उपयोग जनसंख्या के वर्णन व स्तर के ज्ञान हेतु भी किया जाता है।

**(iii)** **[ब]**
जीवन की गुणवत्ता, अवसरों की उपलब्धता एवं स्वतंत्रताओं का भोग विकास के महत्त्वपूर्ण पक्ष हैं।

**(iv)** **[द]**
चतुर्थक क्रिया-कलाप सूचना, अनुसंधान एवं विकास पर आधारित होते हैं। विशिष्टीकृत ज्ञान, प्रौद्योगिक कुशलता और प्रशासकीय सामर्थ्य से सम्बंधित सेवाएँ इन क्रियाकलापों के विशिष्ट लक्षण हैं।

**(v)** **[स]**
प्रथम सार्वजनिक रेलमार्ग 1825 में उत्तरी इंग्लैण्ड के स्टॉकटन और डार्लिंग्टन स्थानों के बीच में प्रारम्भ हुआ।

**(vi)** **[अ]**
गरीबी का उच्चतम अनुपात छतीसगढ़ राज्य में है, जहाँ कुल जनसंख्या का 39.93% भाग गरीबी रेखा से नीचे है। इसके पश्चात् झारखण्ड एवं मणिपुर राज्य आते हैं।

**(vii)** **[ब]**
भारत में धरातलीय और भौमजल का सर्वाधिक उपयोग कृषि में सिंचाई हेतु होता है। इसमें धरातलीय जल का 89 प्रतिशत और भौम जल का 92 प्रतिशत जल उपयोग किया जाता हैं।

**(viii)** **[द]**
एकीकृत इस्पात संयत्र- विश्वेश्वरैया आयरन एण्ड स्टील वर्क्स, जो प्रारम्भ में मैसूर लोहा और इस्पात वर्क्स के नाम से जाना जाता था, कर्नाटक राज्य में केमान गुण्डी लौह अयस्क क्षेत्रों के निकट स्थित है।

**(ix)** **[द]**
इन्दिरा गाँधी नहर का इसके समीपस्थ क्षेत्रों पर मुख्य नकारात्मक प्रभाव यह पड़ा कि सघन सिंचाई और जल के अत्यधिक प्रयोग से जल भराव व मृदा लवणता की दोहरी पर्यावरणीय समस्याएँ उत्पन्न हो गई।

**2.**

**(i)** डेसीबल
**(ii)** 102
**(iii)** डेनमार्क
**(iv)** लन्दन

**3.**

**(i)** व्यवहारवादी विचारधारा ने प्रत्यक्ष अनुभव के साथ-साथ मानव जातीयता, प्रजाति, धर्म इत्यादि पर आधारित सामाजिक संवर्गों के दिक्-काल बोध पर ज्यादा ज़ोर दिया।

**(ii)** 1. धरातलीय खनन और 2. भूमिगत खनन।

**(iii)** 1. यमुना नदी और 2. साबरमती नदी।

**(iv)** नगरीय अपशिष्टों का उपयोग ऊर्जा पैदा करने व कंपोस्ट (खाद) बनाने में किया जा सकता है।

### खण्ड - ब

**4.** **पारादीप पत्तन-** कटक से 100 कि.मी. दूर महानदी डेल्टा पर स्थित है। इस पत्तन के पृष्ठ प्रदेश के अंतर्गत ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ आते हैं।

**कोलकाता पत्तन-** इस पत्तन के पृष्ठ प्रदेश के अंतर्गत उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और उत्तर-पूर्वी राज्य आते हैं। इन सबके अतिरिक्त, यह पत्तन हमारे भूटान और नेपाल जैसे स्थलरुद्ध पड़ोसी देशों को भी सुविधाएँ उपलब्ध कराता है।

**5.** **नियोजन-** इसमें सोच-विचार की प्रक्रिया, कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करना तथा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु गतिविधियों का क्रियान्वयन सम्मिलित है। इसका प्रयोग आर्थिक विकास की प्रक्रिया के संदर्भ में भी किया जाता है।

सामान्यतः आर्थिक विकास के परिपेक्ष्य में नियोजन के दो उपगमन होते हैं: **खंडीय नियोजन** और **प्रादेशिक नियोजन।**

**6.** **कोयला-** कोयला महत्त्वपूर्ण खनिजों में से एक है। जिसका मुख्य प्रयोग ताप विद्युत उत्पादन तथा लौह अयस्क के प्रगलन के लिए किया जाता है।

**पेट्रोलियम-** कच्चा पेट्रोलियम द्रव और गैसीय अवस्था के हाइड्रोकार्बन से युक्त होता है। यह मोटर-वाहनों, रेलवे तथा वायुयानों के अंतर-दहन ईंधन के लिए ऊर्जा का एक अनिवार्य स्रोत है।

**7.** **औद्योगिक नगर-** विकास का प्रमुख अभिप्रेरक बल उद्योगों का विकास रहा है। उदाहरण- मुंबई, सेलम, कोयंबटूर, मोदीनगर, जमशेदपुर, हुगली, भिलाई इत्यादि।

**परिवहन नगर-** ये पत्तन नगर जो मुख्यतः आयात और निर्यात कार्यों में संलग्न रहते हैं। उदाहरण- कांडला, कोच्चि, कोझीकोड, विशाखापट्नम, इत्यादि। आंतरिक परिवहन की धुरियाँ जैसे धुलिया, मुगलसराय, इटारसी, कटनी इत्यादि हो सकते हैं।

**8.** **स्त्रियों के जीवन पर प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष दो प्रभाव-**

- ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुष वरणात्मक बाह्य प्रवास के कारण पत्नियाँ पीछे छूट जाती हैं जिससे उन पर अतिरिक्त शारीरिक और मानसिक दबाव पड़ता है।
- शिक्षा अथवा रोजगार के लिए 'स्त्रियों' का प्रवास उनकी स्वायत्तता और अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका को बढ़ा देता है।

**9.** भारत में 1911-1921 के दौरान **ऋणात्मक वृद्धि** दर दर्ज की गई। जन्म दर और मृत्यु दर दोनों ऊँचे थे जिससे वृद्धि दर निम्न बनी रही। इस अवधि में मोटे तौर पर उच्च जन्म और मृत्यु दरों के लिए निम्नलिखित **तीन कारण** उत्तरदायी थे-



Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

(i) निम्न स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाएँ।
(ii) अधिकतर लोगों की निरक्षरता।
(iii) भोजन और अन्य आधारभूत आवश्यकताओं का अपर्याप्त वितरण।

**10.**

- जनसंख्या वृद्धि सामाजिक समृद्धि तथा उन्नति का सूचक है, परन्तु एक निश्चित सीमा से अधिक वृद्धि या जनसंख्या परिवर्तन किसी राष्ट्र के विकास में सबसे बड़ा बाधक है।
- भारत जैसे विकासशील देशों में जनसंख्या वृद्धि ने अनेक समस्याओं तथा चुनौतियों का जन्म दिया। जैसे- बेरोजगारी, निर्धनता, खाद्य सुरक्षा में कमी, कुपोषण में वृद्धि।
- प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन भी इसी कारण हुआ।

**11.**

- मानव विकास के निम्न स्तरों वाले देशों को प्रतिरक्षा की बजाय सामाजिक सेक्टरों पर अधिक व्यय करना चाहिए।
- ये देश राजनीतिक अस्थिरता वाले क्षेत्रों में पड़ते हैं और त्वरित आर्थिक विकास प्रारंभ नहीं कर पाए हैं। इसमें सुधार की आवश्यकता है।
- सुविचारित नीतियों के माध्यम से इस वर्ग के देशों की मानव विकास की आवश्यकताओं के समाधान की तत्काल आवश्यकता है।

**12.** यदि हमें लम्बी दूरी कम समय में तय करनी हो तो हम वायु परिवहन का चयन करेंगे क्योंकि वायु परिवहन, परिवहन का तीव्रतम साधन हैं। तीव्रगामी होने के कारण लम्बी दूरी की यात्रा के लिए इसे वरीयता दी जाती है। इसके द्वारा मूल्यवान जहाज़ी भार को तेजी के साथ पूरे विश्व में भेजा जा सकता है। कई बार अगम्य क्षेत्रों तक पहुँचने का यही एकमात्र साधन होता है।

**13.** **(i) तेल पत्तन-** ये पत्तन तेल के प्रक्रमण और नौ-परिवहन का कार्य करते हैं। इनमें से कुछ टैंकर पत्तन हैं तथा कुछ तेल शोधन पत्तन हैं। वेनेजुएला में माराकाइबो, ट्यूनिशिया में एस्सखीरा, लेबनान में त्रिपोली टैंकर पत्तन हैं।

**(ii) नौ सेना पत्तन**- ये केवल सामरिक महत्त्व के पत्तन हैं। ये पत्तन युद्धक जहाज़ों को सेवाएँ देते हैं तथा उनके लिए मरम्मत कार्यशालाएँ चलाते हैं। कोच्चि तथा कारवाड़ भारत में ऐसे पत्तनों के उदाहरण हैं।

**14.** व्यापार संतुलन, एक देश के द्वारा अन्य देशों को आयात एवं निर्यात की गई वस्तुओं एवं सेवाओं की मात्रा का प्रलेखन करता है। यदि आयात का मूल्य, देश के निर्यात मूल्य की अपेक्षा अधिक है तो देश का व्यापार संतुलन ऋणात्मक अथवा प्रतिकूल होगा। यदि निर्यात का मूल्य, आयात के मूल्य की तुलना में अधिक है तो देश का व्यापार संतुलन धनात्मक अथवा अनुकूल होगा।

**15.**

- **आर्थिक समस्याएँ-** नगरों में आने वाली विशाल प्रवासी जनसंख्या नगरीय क्षेत्रों, अकुशल एवं अर्धकुशल श्रमिकों, की संख्या में अत्यधिक वृद्धि कर देती है, जबकि इन क्षेत्रों में जनसंख्या पहले से ही चरम पर होती है।
- **सामाजिक-सांस्कृतिक समस्याएँ-** अपर्याप्त वित्तीय संसाधनों के कारण बहुसंख्यक निवासियों की आधारभूत सामाजिक ढाँचागत आवश्यकताएँ भी पूरी नहीं हो पाती हैं। उपलब्ध स्वास्थ्य एवं शिक्षा संबंधी सुविधाएँ गरीब नगरवासियों की पहुँच से बाहर रहती हैं।

## खण्ड-स

**16.** भारत में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रशासन के अधीन स्थापित आयल इंडिया लिमिटेड कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस के अन्वेषण, उत्पादन और परिवहन में संलग्न है। एशिया की पहली 1157 कि.मी. लंबी देशपारीय पाइपलाइन (असम के नहरकटिया तेल क्षेत्र से बरौनी के तेल शोधन कारखाने तक) का निर्माण आयल इंडिया लिमिटेड ने किया था। इसे 1966 में और आगे कानपुर तक विस्तारित किया गया। पश्चिम भारत में एक दूसरी विस्तीर्ण पाइप लाइन का महत्त्वपूर्ण नेटवर्क- अंकलेश्वर-कोयली, मुंबई हाई-कोयली तथा हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर का निर्माण किया गया। 1256 कि.मी. लंबी एक पाइप लाइन सलाया (गुजरात) से मथुरा (उ.प्र.) तक बनाई गई है। गुजरात से पंजाब (मथुरा से होते हुए) कच्चे तेल की आपूर्ति की जाती है।

**17.** **भारत में उदारीकरण, निजीकरण तथा वैश्वीकरण-**

- **उदारीकरण-** इसके अन्तर्गत औद्योगिक लाइसेंस व्यवस्था का (कुछ क्षेत्रों को छोड़कर) समाप्त करना, सार्वजनिक उद्यमों के शेयरों में कुछ भाग वित्तीय संस्थाओं, सामान्य जनता और कामगारों को देना, संपति देहली की सीमा का उन्मूलन, सीधा विदेशी निवेश (FDI) को स्वीकृति देना इत्यादि कदम उठाये गये।
- **निजीकरण-** औद्योगिक नीति में उदारता, घरेलू और बहुराष्ट्रीय दोनों व्यक्तिगत पूँजी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए, दिखाई गई। नए सेक्टर जैसे खनन, दूर संचार राजमार्ग निर्माण और व्यवस्था को व्यक्तिगत कंपनियों के लिए खोल दिया गया।
- **वैश्वीकरण-** इसका अर्थ देश की अर्थव्यवस्था को संसार की अर्थव्यवस्था के साथ एकीकृत करना है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत सामान और पूँजी सहित सेवाएँ, श्रम और संसाधन एक देश से दूसरे देश को स्वतंत्रतापूर्वक पहुँचाए जा सकते हैं।

**18.** **व्यापार-** व्यापार वस्तुतः अन्यत्र उत्पादित मदों का क्रय और विक्रय है। फुटकर और थोक व्यापार अथवा वाणिज्य की सभी सेवाओं का विशिष्ट उद्देश्य लाभ कमाना है। यह सारा काम कस्बों और नगरों में होता है जिन्हें व्यापारिक केंद्र कहा जाता है। व्यापारिक केंद्रों को ग्रामीण और नगरीय व्यापारिक केंद्रों में विभक्त किया जा सकता है-

**ग्रामीण व्यापारिक केंद्र**- ये निकटवर्ती बस्तियों का पोषण करते हैं। ये अर्ध-नगरीय केंद्र होते हैं। ये अत्यंत अल्पवर्धित प्रकार के व्यापारिक केंद्रों के रूप में सेवा करते हैं। यहाँ व्यक्तिगत और व्यावसायिक सेवाएँ सुविकसित नहीं होतीं।

**नगरीय व्यापारिक केंद्र-** इनमें और अधिक विशिष्टीकृत नगरीय सेवाएँ मिलती हैं। इनमें न केवल साधारण वस्तुएँ और सेवाएँ बल्कि लोगों द्वारा वांछित अनेक विशिष्ट वस्तुएँ व सेवाएँ भी उपलब्ध होती हैं।



Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

**खण्ड - द**

**निबन्धात्मक प्रश्न–**

**19. (i) कौशल का विशिष्टीकरण/उत्पादन की विधियाँ-**
यदि शिल्प तरीके से सामान कारखाने में उत्पादित किया जाये तो थोड़े ही सामान का, जो कि आदेशानुसार बनाया जाता है, उत्पादन हो पाता है और इसकी उत्पादन लागत भी अधिक आती है। जबकि अधिक उत्पादन का संबंध बड़े पैमाने पर बनाए जाने वाले सामान से है जिसमें प्रत्येक कारीगर निरंतर एक ही प्रकार का कार्य करता है। यही कौशल का विशिष्टीकरण है।

**(ii) यंत्रीकरण-** अर्थ: यंत्रीकरण से तात्पर्य है किसी कार्य को पूर्ण करने के लिए मशीनों का प्रयोग करना।
यंत्रीकरण का नवाचार: स्वचालित (बिना मानवीय सोच को सम्मिलित किये) यंत्रीकरण की विकसित अवस्था है। पुनर्निवेशन एवं संवृत्त-पाश कंप्यूटर नियंत्रण प्रणाली से युक्त स्वचालित कारखाने, जिनमें मशीनों को 'सोचने' के लिए विकसित किया गया है, पूरे विश्व में नज़र आने लगे हैं।

**(iii) संगठनात्मक ढांचा एवं स्तरीकरण-** एक जटिल प्रोद्यौगिकी तंत्र, अत्यधिक विशिष्टीकरण एवं श्रम विभाजन के द्वारा कम प्रयास एवं अल्प लागत से अधिक माल का उत्पादन करना, अधिक पूँजी, बड़े संगठन एवं प्रशासकीय अधिकारी-वर्ग इत्यादि आधुनिक निर्माण की विशेषताएँ हैं।

**(iv) अनियमित भौगोलिक वितरण-** आधुनिक निर्माण के मुख्य संकेंद्रण कुछ ही स्थानों में सीमित हैं। विश्व के कुल स्थलीय भाग के 10 प्रतिशत से कम भू-भाग पर इनका विस्तार है। यह देश आर्थिक एवं राजनीतिक शक्ति के केंद्र बन गए हैं। कुल क्षेत्र को आच्छादित करने की दृष्टि से विनिर्माण स्थल, प्रक्रियाओं की अत्यधिक गहनता के कारण बहुत कम स्पष्ट तथा कृषि की अपेक्षा बहुत छोटे क्षेत्रों में संकेंद्रित हैं।

**उदाहरण:** कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि की उत्पादकता एवं उपयोगिता की तुलना में उतनी ही भूमि निर्माण कार्यों में अधिक उत्पादक एवं उपयोगी होती है।

**अथवा**

**उत्पादन/उत्पाद आधारित उद्योग-**

**(i) आधारभूत उद्योग-** वे उद्योग जिनके उत्पाद को अन्य वस्तुएँ बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में प्रयोग में लाया जाता है उन्हें आधारभूत उद्योग कहते हैं। कुछ मशीनें एवं औज़ार, जिनके निर्माण में लौह-इस्पात का प्रयोग कच्चे माल के रूप में किया जाता है। लौह-इस्पात स्वयं में एक उद्योग है।
उदाहरण: लौह-इस्पात उद्योग, भारी मशीन उद्योग, पेट्रो-रसायन उद्योग इत्यादि।

**(ii) उपभोक्ता वस्तु उद्योग-** उपभोक्ता वस्तु उद्योग में ऐसे सामान का उत्पादन किया जाता है, जो प्रत्यक्ष रूप में उपभोक्ता द्वारा उपभोग किये जाते है। इन्हे गैर आधारभूत उद्योग अथवा उपभोक्ता वस्तु उद्योग कहा जाता है।
उदाहरण: ब्रेड, बिस्कुट, चाय, साबुन, लिखने के लिए कागज, टेलीविजन व श्रृंगार सामान इत्यादि।

- **स्वामित्व के आधार पर उद्योग-**
  **(i) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग-** ये उद्योग सरकार के अधीन होते हैं। भारत में बहुत से उद्योग सार्वजनिक क्षेत्र के अधीन है। समाजवादी देशों में भी अनेक उद्योग सरकारी स्वामित्व वाले होते हैं। मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी एवं सार्वजनिक दोनों प्रकार के उद्यम पाए जाते हैं।
  उदाहरण- भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम इत्यादि।
  **(ii) निजी क्षेत्र के उद्योग-** इनका स्वामित्व व्यक्तिगत निवेशकों के पास होता है। ये निजी संगठनों द्वारा संचालित होते हैं। पूँजीवादी देशों में अधिकतर उद्योग निजी क्षेत्र में है।
  उपहरण- रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड, अदानी ग्रीन एनर्जी, पतंजलि आयुर्वेद एवं टाटा मोटर्स कंपनी आदि।
  **(iii) संयुक्त क्षेत्र के उद्योग-** इनका संचालन संयुक्त कंपनी के द्वारा या किसी निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के संयुक्त प्रयासों द्वारा किया जाता है।
  उदाहरण- मारुति उद्योग लिमिटेड, गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर कारपोरेशन, हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड, मंगलौर रिफाइनरीज एण्ड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड इत्यादि।

**20. निजी संसाधन एवं साझा संपत्ति संसाधन में अन्तर-**
भूमि के स्वामित्व के आधार पर भू-संसाधनों को मोटे तौर पर दो वर्गों में बाँटा जाता है- निजी भूसंपत्ति तथा साझा संपत्ति संसाधन। पहले वर्ग की भूमि पर व्यक्तियों का निजी स्वामित्व अथवा कुछ व्यक्तियों का सम्मिलित निजी स्वामित्व होता है। जबकि दूसरे वर्ग की भूमियाँ सामुदायिक उपयोग हेतु राज्यों के स्वामित्व में होती हैं।

**साझा संपत्ति संसाधन:**

**परिभाषा-** साझा संपत्ति संसाधनों को सामुदायिक प्राकृतिक संसाधन भी कहा जा सकता है, जहाँ सभी सदस्यों को इसके उपयोग का अधिकार होता है तथा किसी व्यक्ति विशेष के संपत्ति अधिकार न होकर सभी सदस्यों के कुछ विशेष कर्त्तव्य भी हैं।

**उदाहरण-** सामुदायिक वन, चरागाह, ग्रामीण जलीय क्षेत्र तथा अन्य सार्वजनिक स्थान साझा संपत्ति संसाधन के ऐसे उदाहरण हैं जिसका उपयोग एक परिवार से बड़ी इकाई करती है तथा यही उसके प्रबंधन के दायित्वों का निर्वहन करती है।

**विशेषताएँ एवं लाभ-**

- साझा संपत्ति संसाधन की भूमियाँ सामुदायिक उपयोग हेतु राज्यों के स्वामित्व में होती हैं।
- साझा संपत्ति संसाधन-पशुओं के लिए चारा, घरेलू उपयोग हेतु ईंधन, लकड़ी तथा साथ ही अन्य वन उत्पाद जैसे- फल, रेशे, गिरी, औषधीय पौधे आदि उपलब्ध कराती हैं।
- ग्रामीण क्षेत्रों में भूमिहीन छोटे कृषकों तथा अन्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के व्यक्तियों के जीवन-यापन में इन भूमियों का विशेष महत्व है, क्योंकि इनमें से अधिकतर भूमिहीन होने के कारण पशुपालन से प्राप्त आजीविका पर निर्भर हैं।
- महिलाओं के लिए भी इन भूमियों का विशेष महत्व है क्योंकि ग्रामीण इलाकों में चारा व ईंधन लकड़ी के एकत्रीकरण की



Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

ज़िम्मेदारी उन्हीं की होती है। इन भूमियों में कमी से उन्हें चारे तथा ईंधन की तलाश में दूर तक भटकना पड़ता है।

**अथवा**

**भारत में चावल एवं गेहूँ कृषि की तुलना-**

**(i) अनुकूल जलवायु**

चावल एक उष्ण आर्द्र कटिबंधीय फ़सल है। इसकी कृषि समुद्रतल से 2000 मीटर तक की ऊँचाई तक एवं पूर्वी भारत के आर्द्र भागों से लेकर उत्तरपश्चिमी भारत के शुष्क परंतु सिंचित क्षेत्र में सफलतापूर्वक की जाती है। जबकि गेहूँ मुख्यतः शीतोष्ण कटिबंधीय फ़सल है। अत: इसे रबी ऋतु में बोया जाता है। इस फ़सल का 85 प्रतिशत क्षेत्र भारत के उत्तरी मध्य भाग तक केंद्रित है अर्थात् उत्तर गंगा का मैदान, मालवा पठार तथा हिमालय पर्वतीय श्रेणी में 2700 मीटर ऊँचाई तक का क्षेत्र है।

**(ii) विश्व के कुल उत्पादन में हिस्सेदारी एवं स्थान**

भारत विश्व का 22.07 प्रतिशत चावल उत्पादन करता है तथा चीन के बाद भारत का विश्व में दूसरा स्थान है (2018)। जबकि भारत विश्व का 12.8 प्रतिशत गेहूँ उत्पादन करता है तथा भारत का विश्व में दूसरा स्थान है (2010)।

**(iii) कुल कृषि भूमि का भाग एवं प्रति हैक्टेयर उत्पादकता**

चावल देश के कुल बोए क्षेत्र के एक-चौथाई भाग पर बोया जाता है। चावल की प्रति हेक्टेयर पैदावार पंजाब, तमिलनाडु, हरियाणा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल तथा केरल राज्यों में अधिक है। वहीं गेहूँ की कृषि देश के कुल बोये क्षेत्र के लगभग 14 प्रतिशत भाग पर की जाती है। पंजाब व हरियाणा में गेहूँ की उत्पादकता सबसे अधिक है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान व बिहार में प्रति हेक्टेयर पैदावार मध्यम स्तर की है।

**(iv) प्रमुख उत्पादक राज्य**

भारत के प्रमुख चावल उत्पादक राज्य पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, पंजाब हैं। जबकि गेहूँ के प्रमुख उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान हैं।

## खण्ड - य

**21.**

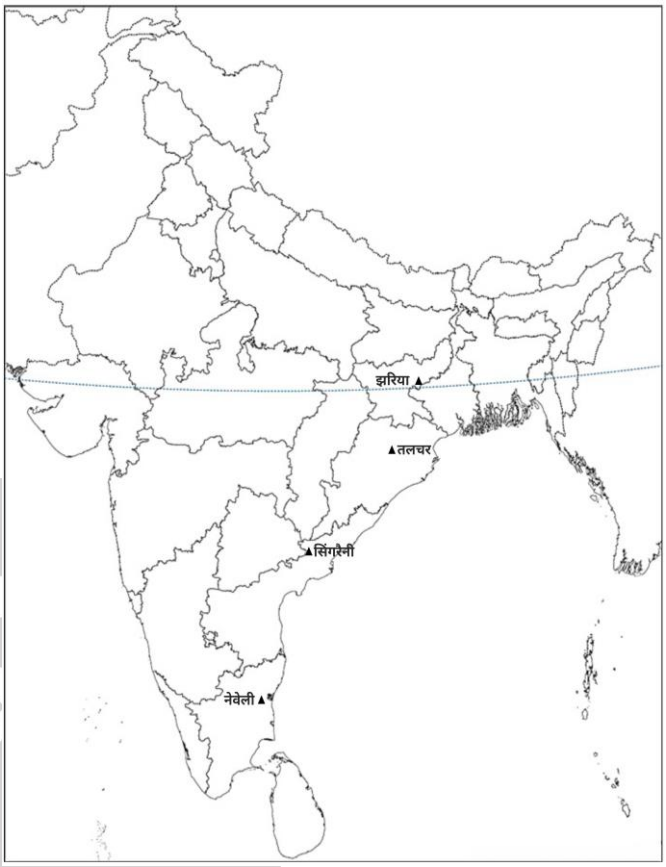


**22.**

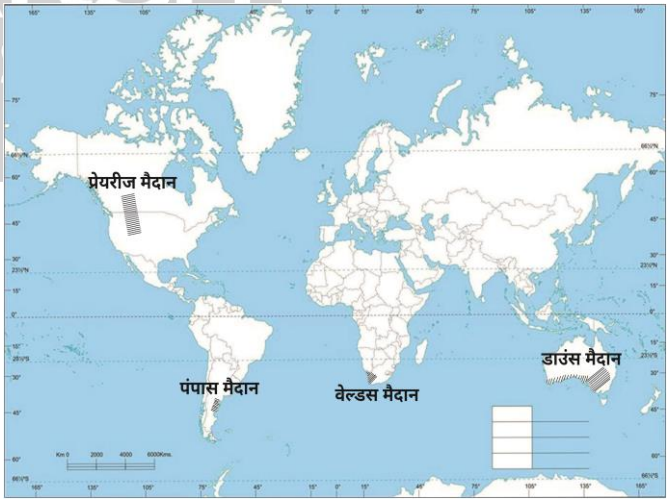




Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

#अब कामयाबी पर होगा सबका हक़

UTKARSH CLASSES | CLASS 6-12

Smart e-Learning Programme

# उत्कर्ष एप से घर बैठे कीजिए ऑनलाइन ट्यूशन और बनिए क्लास में टॉपर

उत्कर्ष एप में गुणवत्तामूलक स्कूली शिक्षा के ऑनलाइन कोर्सेस नाममात्र के शुल्क में उपलब्ध

QR Code Scan कर आज ही **'उत्कर्ष एप'** डाउनलोड करें

## Academic Session 2022-23

| | | | |
|---|---|---|---|
| Class VI-VIII | ~~₹10,000~~ | ₹1999 | CBSE \| RBSE & Other 7 State Boards |
| Class IX-X | ~~₹15,000~~ | ₹2999 | |
| Class XI-XII | ~~₹18,000~~ | ₹3499 | |

| | |
|---|---|
| ₹1200/- per subject Live | ₹600/- per subject Recorded |

Class XI-XII
(Science, Commerce & Arts)

• **LIVE & Recorded Classes** • **English & Hindi Medium**

आज से ही बनाएँ अपनी पढ़ाई को और बेहतर
Utkarsh Online Tuition के साथ

## उत्कर्ष एप ही क्यों ?

- विख्यात व अनुभवी विषय-विशेषज्ञों की टीम
- फैकल्टी द्वारा हस्तलिखित पैनल PDF & e-Notes
- नियमित टेस्ट द्वारा मूल्यांकन (MCQs & Self Assessment)
- टॉपिकवाइज़ क्विज़ एवं उनका वीडियो व्याख्यान
- Live Poll during interactive classes.
- 4K डिजिटल पैनल पर इंटरैक्टिव कक्षाएँ
- 360° Rapid Revision.

15 M+ SUBSCRIBERS
2 M+ SUBSCRIBERS
10 M+ DOWNLOADS
1 M+ FOLLOWERS

# UTKARSH CLASSES

www.utkarsh.com support@utkarsh.com